Total No. of Questions – 10] [Total Pages : 4

(2022)

9366

M.A. Examination

SANSKRIT

(संस्कृत भाषा की संरचना)

Paper–X

(Semester-III)

Time : Three Hours] [Max. Marks : Regular : 80 / Private : 100

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

नोट : प्रश्न पत्र में सभी 10 प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. वाक्स्वन को परिभाषित करते प्रकृति तथा प्रकार्य का विस्तृत विवेचन कीजिए।

अथवा

अनुस्वार तथा अनुनासिक के भेदों को स्पष्ट करते हुए अन्तर स्पष्ट कीजिए। 8(10)

2. स्वर सन्धि की परिभाषा बताते हुए यण् सन्धि एवं अयादि सन्धि का अन्तर स्पष्ट करो।

अथवा

व्यञ्जन सन्धि के प्रमुख नियमों को उदाहरण देकर समझाइए। 8(10)

3. समास किसे कहते हैं? तत्पुरुष समास के भेदों को उदाहरण देकर समझाइए।

अथवा

कर्मधारय समास की परिभाषा एवं प्रमुख संरचना प्रक्रिया लिखो। 8(10)

4. संस्कृत शब्द रचना तद्धित प्रत्ययों का क्या महत्व है तथा प्रमुख संस्कृत तद्धित प्रत्ययों को उदाहरण देकर समझाइए?

अथवा

तिङन्त पद रचना का सोदाहरण विवरण दीजिए। 8(10)

5. लृट एवं लङ् लकार की संरचना प्रक्रिया लिखो।

अथवा

लोट एवं विधिलिङ् लकार में अन्तर स्पष्ट करो। 8(10)

6. अव्यय की परिभाषा बताते हुए किन्हीं **पाँच** अव्ययों को वाक्य संरचना सहित स्पष्ट करो।

अथवा

निम्न अव्ययों-युग्मों का अन्तर वाक्य संरचना से स्पष्ट करो।
उच्चै-नीचैः, ह्यः-श्व, च-अपि, धिक्-अथ्। 8(10)

7. कारक की परिभाषा देकर कर्म तथा सम्प्रदान कारक को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित के योग में आने वाली विभक्तियों को किन्हीं **पाँच** वाक्य प्रयोग में स्पष्ट करो।
क्रुध, सर्वतः, दुह, ऋते, जुगुप्सा, स्मृ। 8(10)

8. वाक्य में पदक्रम का क्या महत्व है? संस्कृत वाक्य रचना में पदक्रम के महत्व को उदाहरण देकर समझाइए।

अथवा

वाक्य के अङ्गों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 8(10)

9. वैदिक एवं लौकिक संस्कृत का सोदाहरण अन्तर स्पष्ट करो।

अथवा

लौकिक संस्कृत की प्रमुख स्वनप्रक्रियात्मक विशेषताएं लिखो। 8(10)

10. किन्हीं **दो** पर टिप्पणियां लिखें :

(क) प्रातिपादिक।

(ख) तद्धित।

(ग) अव्यय।

(घ) बहुव्रीहि समास। 8(10)